82. राजस्थान के किस क्षेत्र में 'पनढ़ारी मोदक' प्रसिद्ध है।

(a) जोधपुर (b) नाथद्वारा
(c) बीकानेर (d) जयपुर

कनिष्क अभियन्ता (यांत्रिक) 13.12.2020, Code-80

Ans. (c) – पनढ़ारी मोदक एक मीठा व्यंजन है जो राजस्थान के बीकानेर में लोकप्रिय है। इसे भगवान गणेश का प्रिय व्यंजन माना जाता है।

83. 'समुद्र लहर' नाम का लहरिया कहाँ रंगा जाता है-

(a) जयपुर (b) जोधपुर
(c) चित्तौड़ (d) कोटा

JEN Mechanical Degree Exam Date : 21.8.2016

Ans. (a) – 'समुद्र लहर' नाम का लहरिया जयपुर में रंगा जाता है। लहरिया ओढ़नी एवं पगड़ी दोनों रूपों में प्रयोग किया जाता हैं पंचरंगी लहरिया मांगलिक कार्यो के लिए सर्वाधिक उपयुक्त माना जाता है। विभिन्न रंगों की आड़ी धारियों से रंगा कपड़ा लहरिया कहलाता है।

84. निम्न में से राजस्थान के लोक-जीवन में 'नारचारी' शब्द किससे संबंधित है?

(a) गृह क्रीड़ा (b) लोक नृत्य
(c) आभूषण (d) परम्परा

हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा -2018

Ans. (a) – राजस्थानी राज्य लोक नृत्य, लोक कला, रीति-रिवाजों, प्रथा, परम्परागत आभूषणों एवं पहनावों इत्यादि के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थानी लोक-जीवन में 'नारचारी' शब्द 'गृहक्रीडा' से सम्बन्धित है।

85. मिरजाई, दुतई और डगला किसके प्रकार है?

(a) अंगरखी के (b) पगड़ी के
(c) धोती के (d) लहरिया के

VDO-2021 Exam Date 27.12.2021 Shift-I

Ans. (a) – शरीर के ऊपरी भाग में पहने जाने वाला वस्त्र अंगरखी कहलाता है। अंगरखी के विभिन्न नाम है-बुगतरी, अचकन, बण्डी, तनसुख, दुतई, गाबा, गदर, मिरजाई, डोढ़ी, कानों, डगला आदि हैं।

86. खेजड़ी वृक्ष (शमी-वृक्ष) की पूजा का प्रावधान किस पर्व से जुड़ा है?

(a) गणगौर पर्व (b) दीपावली पर्व
(c) दशहरा पर्व (d) पर्यूषण पर्व

लवण निरीक्षक (उद्योग विभाग) परीक्षा -2018
RPSC OAA-2018 Ag. Deptt (Part-1) 17-10-2022

Ans. (c) : खेजड़ी वृक्ष (शमी-वृक्ष) की पूजा दशहरा के अवसर पर की जाती है। दशहरा आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी तिथि को मनाया जाता है। यह त्यौहार बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन अस्त्र-शस्त्रों की पूजा की जाती है।

87. बूंदी में 'कजली तीज' का त्योहार किस महीने में मनाया जाता है?

(a) चैत्र (b) कार्तिक
(c) श्रावण (d) भाद्रपद

वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 date 06.11.2020 Shift-I

Ans. (d) : बूंदी में 'कजली तीज' का त्यौहार भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष के तृतीया को मनाया जाता है। राजस्थान के बूंदी में कजली का उत्सव राज्य और बाहर मनाए जाने वाले कई अन्य तीज त्यौहारों से अलग है। वैवाहिक आनंद और प्रेम के चाहने वालों द्वारा देवी उमा की पूजा की जाती है।

88. गोवर्धन पूजा/अन्नकूट महोत्सव मनाया जाता है–

(a) कार्तिक शुक्ल पक्ष (b) चैत्र कृष्ण पक्ष
(c) अश्विन शुक्ल पक्ष (d) भादों कृष्ण पक्ष

RPSC Van Rakshat Exam 13.11.2020 Shift-II

Ans. (a) : कार्तिक की शुक्ल प्रतिपदा अर्थात् दीपावली के अगले दिन 'गोवर्धन पूजा' या 'अन्नकूट पर्व' मनाया जाता है। इस दिन घर में गाय के गोबर से गोवर्धन की मानव रूपी आकृति बनाकर उसकी पूजा की जाती है। मान्यता है कि अन्नकूट भी गोवर्धन पूजा का ही समारोह है। इसमें मंदिरों में कूटे हुए अन्न से बनाए गए 56 प्रकार के मिष्ठान-पकवान का भोग भगवान को अर्पित किया जाता है।

89. 'उस्ता कला' के विकास के लिए 'उस्ता कैमल हाइड केन्द्र' की स्थापना 1975 ई. में कहाँ की गई थी?

(a) जैसलमेर (b) बीकानेर
(c) नागौर (d) बाड़मेर

कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022

Ans. (b) – 'उस्ता कला' के विकास के लिए 'उस्ता कैमल हाइड' केन्द्र की स्थापना 1975 में बीकानेर में की गई थी। बीकानेर में की जाने वाली ऊँट की खाल पर स्वर्ण मीनाकारी और मुनव्वल का कार्य 'उस्ताकला' के नाम से जाना जाता है। इस अद्वितीय उस्ता कला का विकास 1986ई. में पद्म श्री से सम्मानित कलाकार स्वर्गीय हिसामुद्दीन उस्ता ने किया था।

90. ढोला-मारू कहानी में ढोला की विवाह के समय उम्र थी

(a) 3 वर्ष (b) 11 वर्ष
(c) 14 वर्ष (d) 16 वर्ष

RPSC College Lecturer 31-10-2018

Ans. (a) : ढोला-मारू की कहानी में ढोला की विवाह के समय उम्र 3 वर्ष थी। ढोला-मारू रा दूहा के रचनाकार कवि कल्लौल थे। यह कहानी एक अल्पायु राजकुमारी एवं राजकुमार के विवाह की गाथा है। इसकी रचना 1473 ई. में की गयी। बाताँ री फुलवारी के लेखक विजयदान देथा थे।

91. मारवाड़ में वीरता, साहित्य, सेवा के लिए 'सिरोपाव' देने की परम्परा रही थी, सर्वोच्च सिरोपाव था-

(a) हाथी सिरोपाव
(b) कड़ा दुशाला सिरोपाव
(c) घोड़ा सिरोपाव
(d) पालकी सिरोपाव

Patwar-Exam-2016 (Main) -24.12.2016

Ans. (a) – मारवाड़ में वीरता, साहित्य, सेवा के लिए 'सिरोपाव' देने की परम्परा प्रचलित थी। सिरोपाव से तात्पर्य विशेष वस्त्र या आभूषण देने से था। हाथी सिरोपाव सबसे महत्वपूर्ण तथा सर्वोच्च सिरोपाव था। इस सिरोपाव में सामंत को वस्त्रों के साथ कुछ धन भी दिया जाता था।

92. अप्रैल, 1930 में बाल विवाह निरोधक कानून के प्रणेता कौन थे?

(a) अर्जुनलाल सेठी (b) रायबहादुर हरविलास
(c) हीरालाल शास्त्री (d) जमनालाल बजाज

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)-2020